🎉 Hareli Tihar Celebration at ICFAI University, Raipur 🌿

हरेली तिहार पर आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

समवेत शिखर संवाददाता

कुम्हारी। द आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय कुम्हारी में हरेली तिहार के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलपति डॉ. शिवदयाल पांडे कुलसचिव , डॉ मनीष उपाध्याय एवं विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.के किशोर कुमार उपस्थित रहे । कार्यक्रम में सभी विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पौधा प्रदान कर किया गया । इस आयोजन के सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. एस एस. दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विविधताओं का देश है और केवल एक भारत देश ही ऐसा है जहां पर हर पर्व को उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह हमारी सांस्कृतिक एकता समृद्धता और संस्कृति का परिचायक है। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ÷भारत त्योहारों का देश है, जहाँ प्रत्येक पर्व प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ा हुआ होता है। हरेली तिहार न केवल कृषि संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि यह हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलने की प्रेरणा भी देता है उन्होंने कहा की प्रकृति से हमें जुड़े रहना चाहिए क्षितिज जल पावक गगन समीरा÷ को विस्तार देते हुए कहा की प्रकृति को सुरक्षित रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है साथ ही उन्होंने संस्था के विकास के लिए कड़ी मेहनत और जिम्मेदारी से अपने कार्य का निर्वहन करने की बात कही उन्होंने प्रकृति संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आज के युग में हमें न केवल तकनीकी विकास की ओर बढ़ना है, बल्कि प्रकृति से जुड़े रहकर सतत् विकास की ओर भी ध्यान देना है। विश्वविद्यालय का समग्र विकास तभी संभव है जब हम पर्यावरण, शिक्षा और उनके मूल्यों को साथ लेकर आगे बढ़ें।

हरेली तिहार पर आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय में हुए सांस्कृतिक आयोजन

कुम्हारी (कुबेर भूमि)। द आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय कुम्हारी में हरेली तिहार के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलपति डॉ. शिवदयाल पांडे कुलसचिव , डॉ मनीष उपाध्याय एवं विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.के किशोर कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पौधा प्रदान कर किया गया । इस आयोजन के सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. एस एस. दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विविधताओं का देश है और केवल एक भारत देश ही ऐसा है जहां पर हर पर्व को उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह हमारी सांस्कृतिक एकता समृद्धता और संस्कृति का परिचायक है।

इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'भारत त्योहारों का देश है, जहाँ प्रत्येक पर्व प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ा हुआ होता है। हरेली तिहार न केवल कृषि संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि यह हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलने की प्रेरणा भी देता है उन्होंने कहा की प्रकृति से हमें जुड़े रहना चाहिए 'क्षितिज जल पावक गगन समीरा' को विस्तार देते हुए कहा की प्रकृति को सुरक्षित रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है साथ ही उन्होंने संस्था के विकास के लिए कड़ी मेहनत और जिम्मेदारी से अपने कार्य का निर्वहन करने की बात कही उन्होंने प्रकृति संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आज के युग में हमें न केवल तकनीकी विकास की ओर बढ़ना है, बल्कि प्रकृति से जुड़े रहकर सतत् विकास की ओर भी ध्यान देना है। विश्वविद्यालय का समग्र विकास तभी संभव है जब हम पर्यावरण, शिक्षा और उनके मूल्यों को साथ लेकर आगे बढ़ें।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा राजगीत, कविता पाठ तथा लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें हरेली तिहार के महत्व और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट किया गया।

कार्यालय कार्यपालन अ लोक निर्माण विभाग धमतरी संभाग धमतरी (छ.ग.)

Email ID-ee.dhamtari@nic.in
क्रमांक 4942/NIT-14/2025-2026/ न.सै.लि. — दिनांक 25/07/2025

// निविदा आमंत्रण सूचना //
प्रथम आमंत्रण

1. निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:- 13/08/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
2. ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि:- 20/08/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि:- 21/08/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे

एनआईटी क्र	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में)/ बैंक सालवेंसी
14 T0052	विश्रामगृह कुरुद के बाये तरफ लैंड स्केपिंग एवं गार्डनिंग कार्य 2025-26 प्रथम आमंत्रण	10.00 7500.00 300000.00
14 T0053	विश्रामगृह कुरुद के सामने लैंड स्केपिंग एवं गार्डनिंग कार्य 2025-26 प्रथम आमंत्रण	10.00 7500.00 300000.00

1. प्रत्येक निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 750.00 ।
2. प्रत्येक कार्यों का निविदा की श्रेणी द से अ श्रेणी के लिये है
3. एनआईटी क्र. T0052, T0053 समयावधि दिनांक 31/12/2025।
4. डीप EMD के साथ बनाम CD हेतु अनेक्सर 2, 3 में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
5. निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाइट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है जिसका अवलोकन कार्यालयीन समय में संभागीय कार्यालय में देखी जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग धमतरी संभाग
धमतरी (छ.ग.)

G-252602192/1

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)
E-mail: birgaonmcp@gmail.com

निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना
नामांतरण प्रकरण क्र. 240, दिनांक 25-07-2025
वार्ड का नाम माँ दंतेश्वरी माता
वार्ड क्र. 16 वर्ष 2025-26

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)
E-mail: birgaonmcp@gmail.com

निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना
नामांतरण प्रकरण क्र. 239, दिनांक 25-07-2025
वार्ड का नाम माँ दंतेश्वरी माता
वार्ड क्र. 16 वर्ष 2025-26

हरेली तिहार पर आईसीएफएआई विवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम

कुम्हारी, 25 जुलाई (देशबन्धु)। द आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय कुम्हारी में हरेली तिहार के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलपति डॉ. शिवदयाल पांडे कुलसचिव , डॉ मनीष उपाध्याय एवं विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.के किशोर कुमार उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम में सभी विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पौधा प्रदान कर किया गया । इस आयोजन के सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. एस एस. दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विविधताओं का देश है और केवल एक भारत देश ही ऐसा है जहां पर हर पर्व को उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह हमारी सांस्कृतिक एकता समृद्धता और संस्कृति का परिचायक है।

इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि च्भारत त्योहारों का देश है, जहाँ प्रत्येक पर्व प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ा हुआ होता है। हरेली तिहार न केवल कृषि संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि यह हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलने की प्रेरणा भी देता है उन्होंने कहा की प्रकृति से हमें जुड़े रहना चाहिए च्क्षितिज जल पावक गगन समीराज्ज को विस्तार देते हुए कहा की प्रकृति को सुरक्षित रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है साथ ही उन्होंने संस्था के विकास के लिए कड़ी मेहनत और जिम्मेदारी से अपने कार्य का निर्वहन करने की बात कही उन्होंने प्रकृति संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आज के युग में हमें न केवल तकनीकी विकास की ओर बढ़ना है, बल्कि प्रकृति से जुड़े रहकर सतत् विकास की ओर भी ध्यान देना है। विश्वविद्यालय का समग्र विकास तभी संभव है जब हम पर्यावरण, शिक्षा और उनके मूल्यों को साथ लेकर आगे बढ़ें।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा राजगीत, कविता पाठ तथा लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें हरेली तिहार के महत्व और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट किया गया। इन प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया।